

ओलगिया वि. (देश.) अलग रहने वाला, प्रवास में रहने वाला।

ओलचा पुं. (देश.) 1. लकड़ी का हथेदार बर्तन जिससे पानी फेंक खेत को सींचा जाता है 2. छिछली टोकरी जिससे पानी उलीचने या अनाज ओसाने का काम किया जाता है, दौरी।

ओलती स्त्री. (देश.) छप्पर या छाजन का छोर जहाँ से वर्षा का पानी जमीन पर गिरता है।

ओलना स.क्रि. (देश.) सहनशील होना, अपने ऊपर उत्तरायित्व ले लेना। रोकना।

ओलमना अ.क्रि. (देश.) नमना, झुकना।

ओला पुं. (देश.) 1. वर्षा के रूप में गिरने वाले बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़े 2. मिश्री के लड्डू, वि. (देश.) बहुत ठंडा।

ओलिंपिक खेल पुं. (अं.+तत्.) खेल. सामान्यतः हर चार वर्ष बाद विश्व के अलग-अलग नगरों में आयोजित खेल-स्पर्धाओं का मेला, जिसमें विश्व के अनेक देशों के खिलाड़ी भाग लेते हैं।

ओलिंपियाड पुं. (अं.) खेल. हर चार वर्ष की अवधि के बाद ग्रीष्म ऋतु में आयोजित ओलंपिक खेलों का नाम। दे. 'ओलिंपिक खेल'।

ओलियाना स.क्रि. (देश.) 1. गिराकर किसी वस्तु का ढेर लगाना 2. किसी वस्तु को गोद में या पात्र में भरना।

ओली स्त्री. (देश.) 1. गोद 2. ऐसी झोली जिसे आँचल या चुनरी से बना लिया जाय।

ओवर पुं. (अं.) खेल. क्रिकेट में विकेट के एक छोर से गेंदबाज द्वारा एक के बाद एक फेंकी गई छह गेदों का अनुक्रम। over

ओवरकोट पुं. (अं.) बहुत लंबा कोट जो जाड़े में कपड़ों के ऊपर पहना जाता है।

ओवरटाइम पुं. (अं.) जब निर्धारित समय के अतिरिक्त समय में कार्य किया जाए, समयोपरि।

ओवर ड्राफ्ट पुं. (अं.) वाणि. बैंक द्वारा अपने ग्राहक को उसके खाते में जमा रकम से अधिक रकम निकाल सकने की प्रदत्त सुविधा जो ग्राहक की साख पर निर्भर होती है। over draft

ओवर थ्रो पुं. (अं.) फेंकी गई वस्तु का लक्ष्य से परे चला जाना, क्रिकेट में बल्लेबाज द्वारा गेंद पर प्रहार के बाद क्षेत्ररक्षक द्वारा विकेट को लक्ष्य करके फेंकी गई गेंद जो न तो लक्ष्य वेध करती है और न पास खड़े किसी क्षेत्ररक्षक से रुकती है, जिसके परिणाम स्वरूप बल्लेबाज या तो दौड़कर कुछ अतिरिक्त रन बना लेता है या फिर गेंद सीमा रेखा को पार कर जाने के कारण चौका मान लिया जाता है। over throw

ओवरसियर पुं. (अं.) इंजीनियर के अधीन एक अधिकारी जो चल रहे निर्माण-कार्य की निगरानी करता है।

ओषजन पुं. (तत्.) दे. ऑक्सीजन।

ओषण पुं. (तत्.) कटुता, तीक्ष्णता, तेज स्वाद।

ओषधि स्त्री. (तत्.) 1. जड़ी-बूटी जो दवा के काम आए 2. वनस्पति दे. 'औषधि'।

ओषधिप्रस्थ पुं. (तत्.) ओषधि का स्थान (हिमालय)।

ओषधिधर/ओषधीधर पुं. (तत्.) 1. औषधि को जो धारण करे (वैद्य) 2. चंद्रमा।

ओषधिनाथ/ओषधीनाथ पुं. (तत्.) चंद्रमा ।

ओषधीश स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कपूर।

ओष्ठ पुं. (तत्.) होंठ, ओंठ, आयु., प्राणि. किसी रंध्र को घेरने वाले पदार्थ, मांसल पटल या उनमें से कोई एक, उदा. मुख के ऊपर-नीचे के अथवा भग की दरार के दोनों ओर की मांसल संरचनाएँ।

ओष्ठरंजनी स्त्री. (तत्.) ओठों को रंगने वाली रंग की बनी बत्ती। lipstick